'यत्र विश्वम्भवत्येकनीडम्'

संस्कृत विभाग

DEPARTMENT OF SANSKRIT

(School of Languages)

DEPARTMENTAL PROFILE

DR. HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA

(A Central University)

SAGAR (M.P.) - 470 003 INDIA

Website: www.dhsgsu.ac.in

Introduction
of
the Department

1. विभाग का परिचय (Introduction of the Department)

- **संक्षिप्त इतिहास** (Brief history)- डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर का संस्कृत विभाग 1946 में विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ स्थापित किया गया था। इस विभाग ने संस्कृत अध्ययन के क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय पहचान हासिल की है। विश्वविद्यालय की समृद्धि और गरिमा में इस विभाग की बड़ी भूमिका है।

- **लक्ष्य** (Vision)-
  - लोक में संस्कृत भाषा एवं साहित्य का विस्तार।
  - संस्कृतनिष्ठ भारतीय संस्कृति के स्वरूप का उद्घाटन।
  - संस्कृत साहित्य सम्मत परम्पराओं का पुनरावलोकन एवं उनकी प्रासंगिकता।
  - वर्तमान में प्रासंगिक परम्पराओं को पाठ्यचर्या के माध्यम से प्रचारित व प्रसारित करना।

- मूल्यांकन परक शोध कार्य संपादन।
- प्राप्त निष्कर्षों को सामाजिकों के साथ विभिन्न चर्चाओं में प्रस्तुत किया जाता है।

कार्ययोजना (Mission)**-**

- छात्रों में संस्कृत संभाषण के प्रति प्रोत्साहन।
- संस्कृत संभाषण पाठ्यक्रम को क्रियाशील बनाये रखना।
- संस्कृत लेखन के प्रति जागरुक करना।
- कार्यशाला, सेनीनार आदि आयोजित करना।

विशिष्ट उपलब्धियां (Distinguished festures/acheivements)- यह विभाग संस्कृत साहित्य के विविध आयामों में अपने महत्त्वपूर्ण और मूल्यवान शोध कार्यों के लिए प्रसिद्ध है। विभाग को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा DRS-SAP के तहत 1994 से 2006 तक और फिर जुलाई 2007 से 2012 तक संस्कृत में महत्वपूर्ण शोध के लिए स्वीकृति दी गई थी। इसने डीआरएस-एसएपी के तहत कई बड़ी और छोटी अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया है और बाद में इन परियोजनाओं को पुस्तक रूप में भी प्रकाशित किया गया है।

Coordinator, MRC

Prof. Anand Prakash Tripathi

- **विभाग का वैशिष्ट्य** (Uniqueness of the Department) - इस विभाग की एक विशिष्ट उपलब्धि पांडुलिपि संसाधन केंद्र (MRC) है, जिसमें लगभग छह हजार तक पांडुलिपियां संरक्षित हैं। विभाग ने पूर्व छात्रों की एक बड़ी श्रृंखला तैयार की है जो देश और दुनिया में भारतीय संस्कृति और साहित्य को संवर्धित करने में अपना प्रशंसनीय योगदान दे रहे हैं।

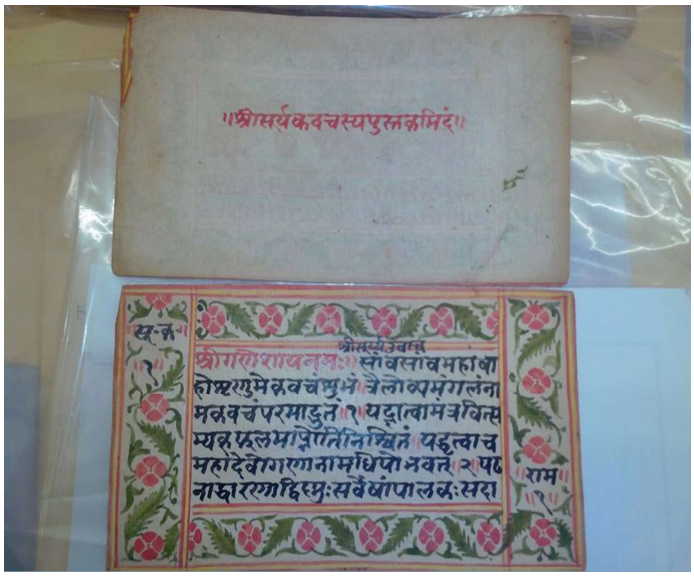

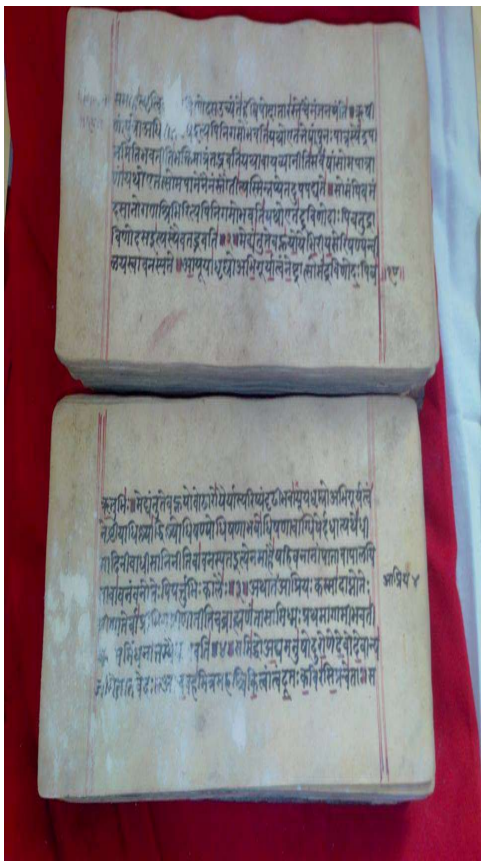

- (1) दस्तावेज़ीकरण - प्रलेखित डेटा शीट की संख्या: 90000, इलेक्ट्रॉनिक डेटा की संख्या: 85,000
- (2) डेटा शीट का विवरण: वेद, वेदांग, दर्शन, तंत्र, ज्योतिष, कर्मकांड, आयुर्वेद, काव्य, संत साहित्य आदि जैसे विभिन्न विषयों की भाषा ज्यादातर संस्कृत है। कुछ पांडुलिपियां हिंदी, मराठी, गुजराती और उर्दू में भी हैं।

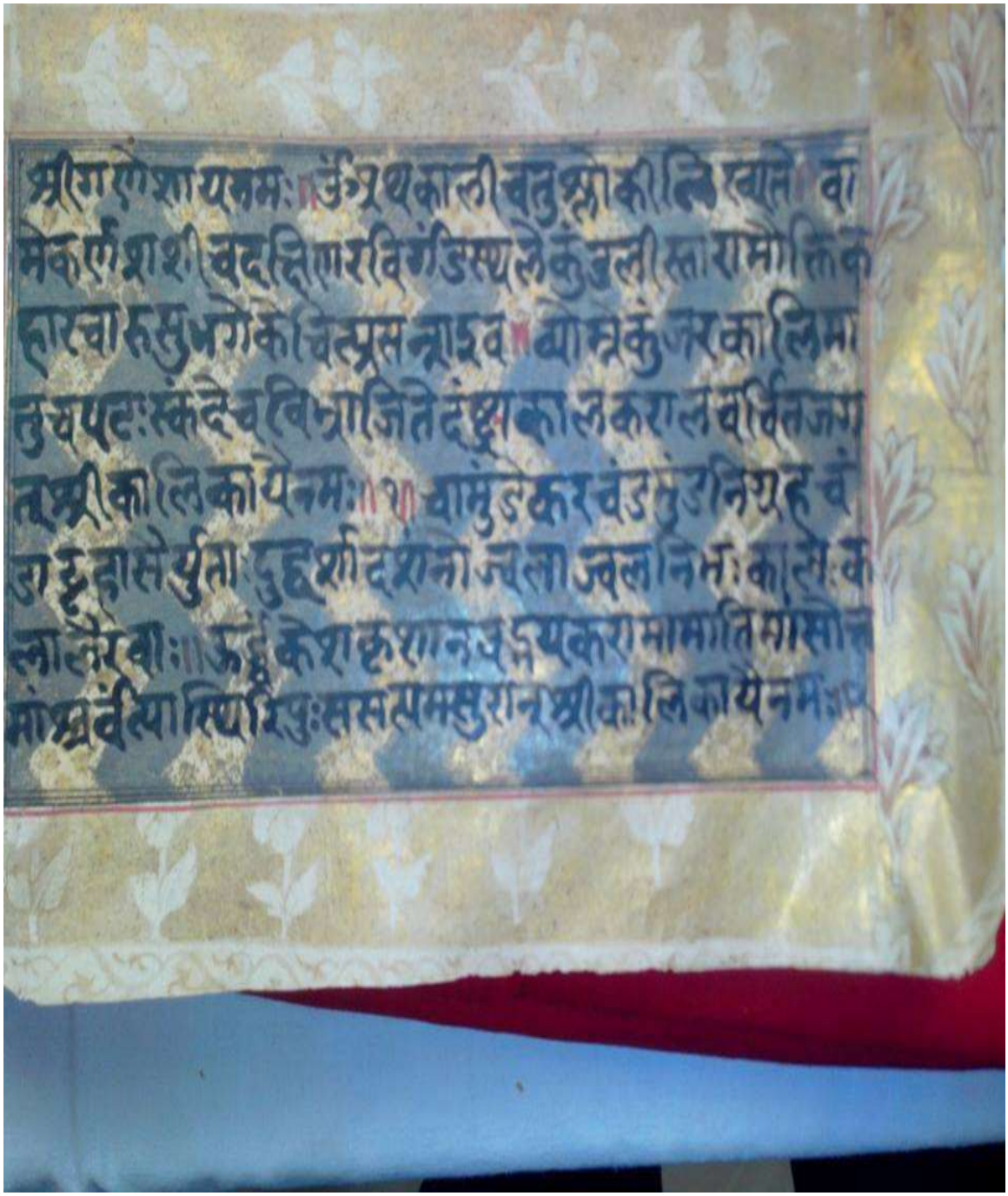

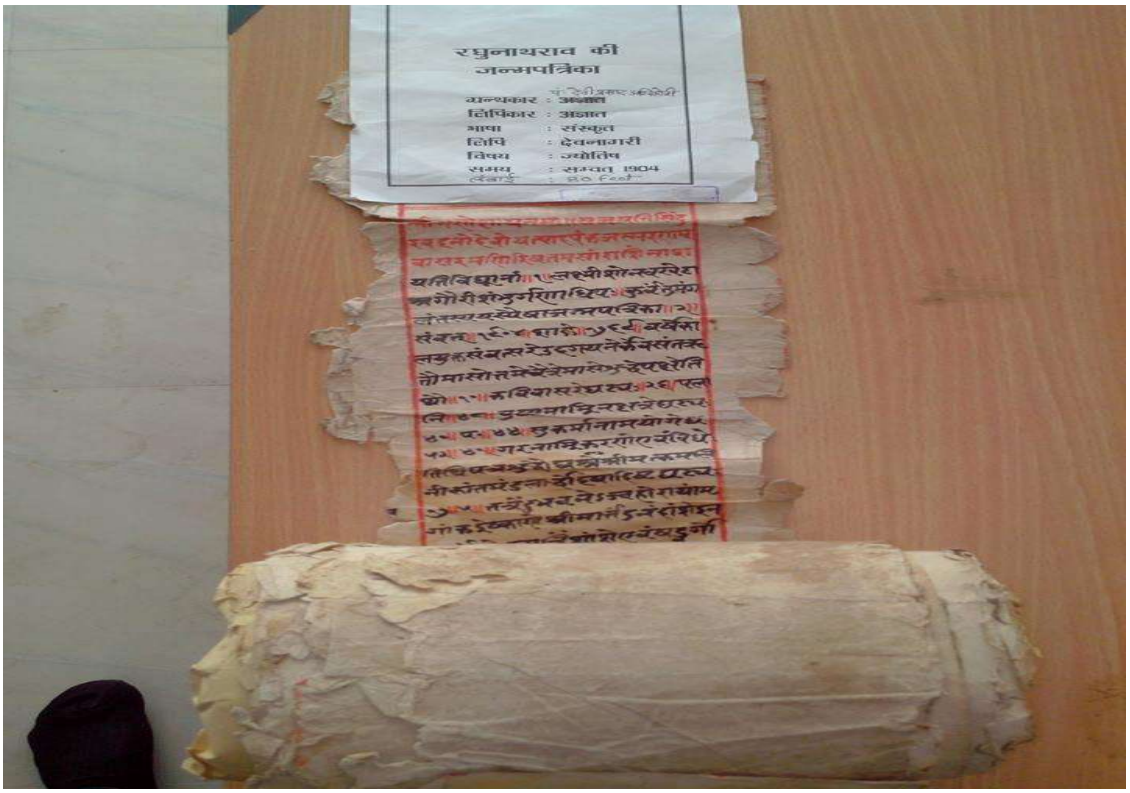

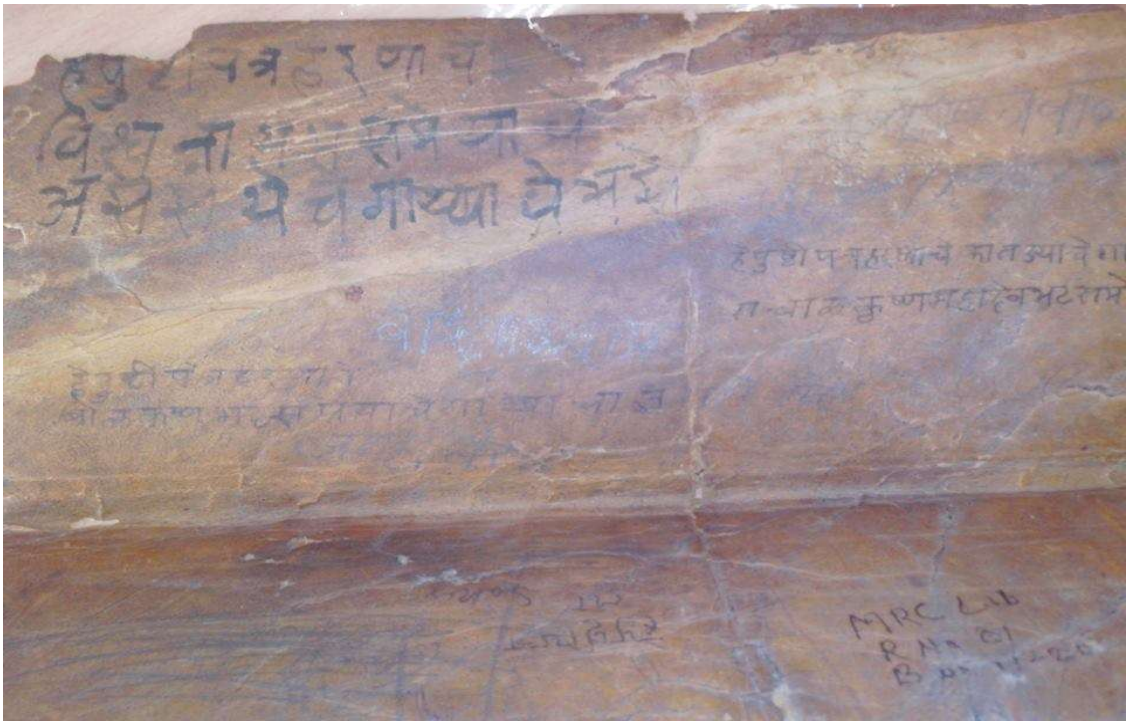

- **प्रथम महिला शिक्षिका**- संस्कृत विभाग को प्रथम स्त्री प्राध्यापिका श्रीमती डॉ वनमाला भावलकर से सम्मन्न होने का गौरव प्राप्त है।

पत्रिकाएँ

Journals

पत्रिकाएँ- विभाग नए अनुसंधानकर्ताओं के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है जो अपने शोध कार्यों को लेखों के रूप में प्रकाशित करना चाहते हैं। विभाग त्रैमासिक शोध पत्रिकाओं "सागरिका" और "नाट्यम" के रूप में आदर्श विकल्प प्रदान करता है। पहली “सागरिका” 1965 से ISSN 2229-5577 के साथ संस्कृत में और दूसरी “नाट्यम्” 1982 से ISSN 2229-5550 के साथ हिंदी में प्रकाशित हो रही है।

विभाग द्वारा संस्कृत से संबंधित महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली विषयों पर सागरिका के विशेष अंक प्रस्तुत किए जा रहे हैं-

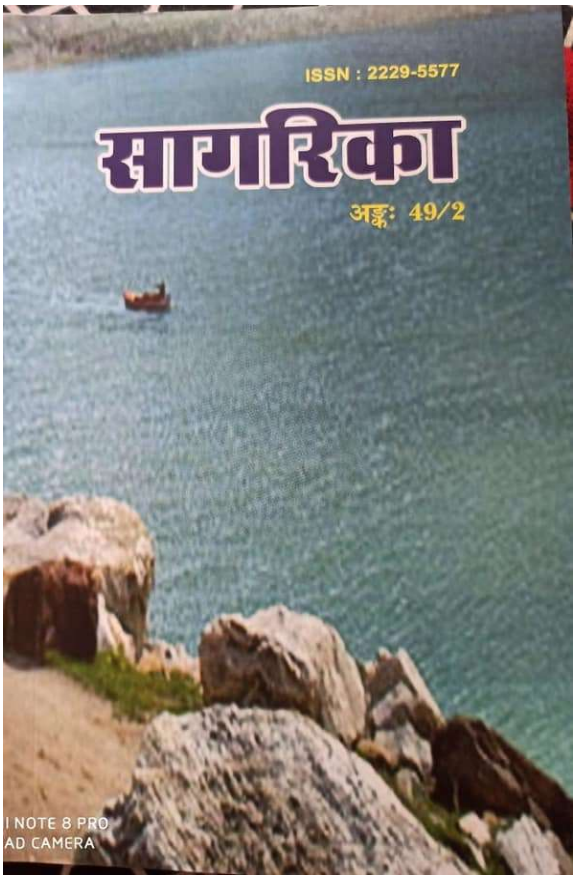

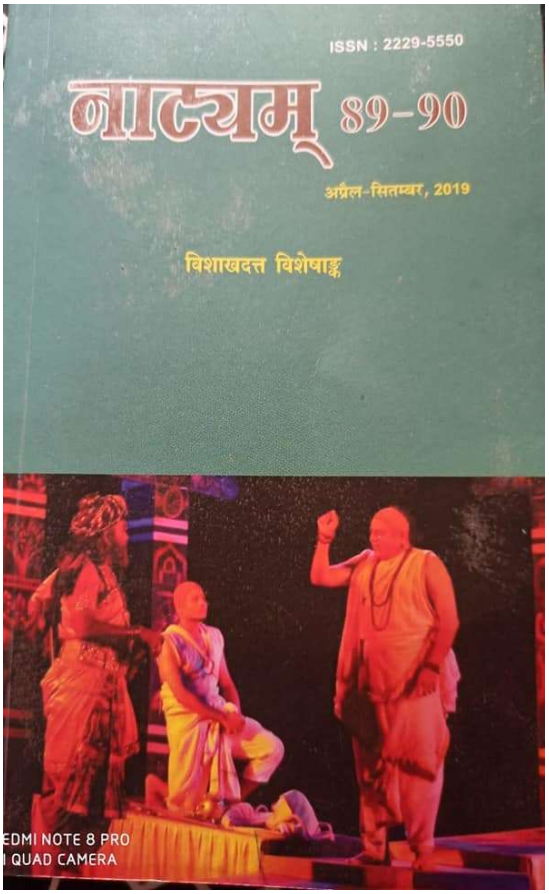

Head

Prof. Anand Prakash Tripathi

D.O.B. 15 April 1960

Denigration Professor (Department of Hindi)
Head, Department of Sanskrit & Hindi

Name of Father Late Prof. Radhika Prasad Dwivedi

Name of Mother Smt. Kailashpati Tripathi

Address Kathayan , Patel ka Bagicha, Yadav Colony,
Sagar – 470001 (M.P.)

Thrust Area Katha Sahitya, Alochana, Lok Sahitya.

Education Ph.D., D.Lit., Dr- Ram Manohar Lohiya
Awadh Vishwavidyalaya.

Teaching Experience – 40 Yrs

Administrative Experience –

1. Ex-Head, Dept. of Linguistic

2. Ex-Dean, School of Languages, Dr.Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)
3. Responsibilities of so many Administrative Activities.

Edited Books 05

Edited – Text Books – 01

Published Research Paper – 05

Chapter in Books - 10

Prefaces in Books- 05

Editor of Journals-

1. Shabdashikhar

2. Sagarika, Dept. of Sanskrit, Dr.Harisingh Gour University, Sagar
3. Natyam Deptt. Of Sanskrit, Dr.Harisingh Gour University, Sagar

Academic Activities-

1. External Expert in Board of Studies, Research Committees & Selection Committees of so many University and colleges.
2. Member of Advisory Board of a dozen of Journals.
3. Member of Board of judge of Prize Committees of different Institution of the National Regional level.
4. Chairman of member of so many Literary, cultural & Social Institutions of India.
5. Chairman- Sahitya Sanskrit Sansthan Faijabad (From 2001)
6. Honorary member of Academic Council of Kendriya Hindi Sansthan , Agra.
7. Member of Advisory Board of ministry of Higening govt. Of India.
8. Ph.D. Guided- 32
9. M. Phil Guided- 07

Faculty Profile

Present Teachers

Name of Teacher	Designation	Qualification	Specialization	
Dr. Naunihal Gautam	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Sahityashastra	
Dr. Ramhet Gautam	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Buddhism	
Dr. Sanjay Kumar	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Culture	
Dr.Shashikumar Singh	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Sahitya & Sahityashastra	
Dr. Kiran Arya	Assistant Professor	MA, NET, PhD	Vyakaran & Veda	

Non Teaching Staff

Name	Designation	
Shri Nitin Shukla Mob. No. 8435357714	LDC	
Shri Pawan Namdev	Peon	
Shri Ramcharan Vishwakarma Mob.No. 9893208924	Peon	

Head of the Department in Past

No.	Name	Time
01	Dr. V. M. Apte	1947 - 1957
02	Prof. Ramji Upadhyay (President Awardee)	1957 -1980
03	Prof. R.V. Tripathi	1980 to 16.01.2002
04	Prof. Kusum Bhuria Datta	17.01.2002 to 17.01.2005
05	Prof. R.V. Tripathi	18.01.2005- 13.08.2008
06	Prof. Kusum Bhuria Datta	14.08.2008 - 01.09.2015
07	Prof. Anand Prakash Tripathi	01.09.2015- Till Date

Teachers in Past

S. No.	Name	From	To
01	*Dr. V. M. Apte*	*1947*	*1957*
02	*Prof. Ramji Upadhyay* (President Awardee)	*1947*	*1980*
03	Dr. Smt. Vanmala Bhavalkar (First lady Teacher of the University)	1946	1977
04	Dr. Adyaprasad Mishra	1948	1951
05	Dr. Vishwanath Bhattacharya (President Awardee)	1955	1969
06	Dr. Yogeshwar Pandey	1958	1976
07	Pt. Yamunashankar Shukla	1960	1976
08	*Prof. R.V. Tripathi* (President Awardee)	1973	2014
09	*Prof. Kusum Bhuria Datta*	1978	2015
10	Dr. Baal Shastri	1979	1998
11	Dr. Ganeshi Lal Suthar (President Awardee)	1984	1986
12	Dr. Achyutanand Dash	1990	2009
13	Dr. Asha Sarvate	1990	2004

उल्लेखनीय योगदान

(Recognized contribution) -

डी. लिट् - 06

पीएच.डी. **153**

उपाधियाँ प्रदान दी गईं।

विभागीय प्रकाशन

Departmental Publication

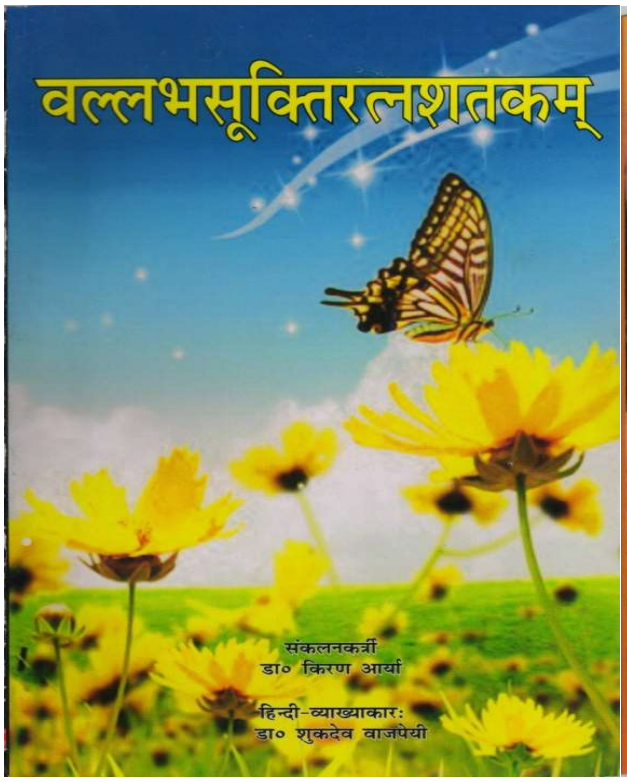
वल्लभसूक्तिरत्नशतकम्
संकलनकर्त्री
डा० किरण आर्या
हिन्दी-व्याख्याकार:
डा० शुकदेव वाजपेयी

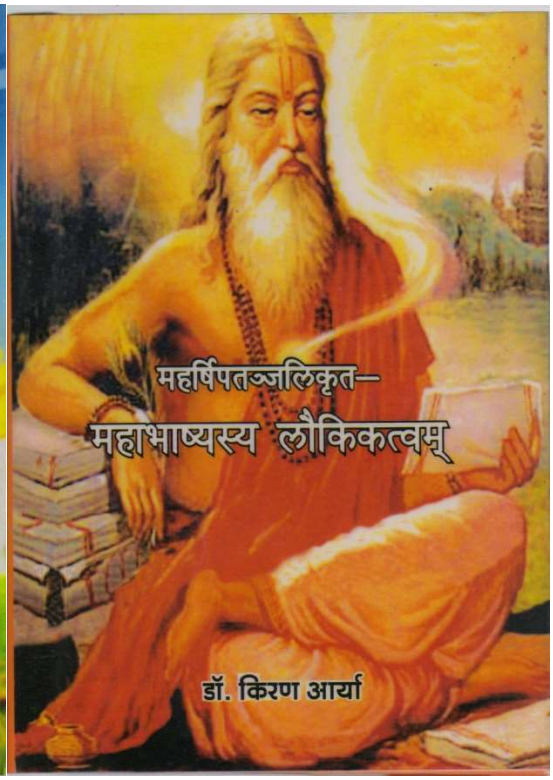
महर्षिपतञ्जलिकृत–
महाभाष्यस्य लौकिकत्वम्
डॉ. किरण आर्या

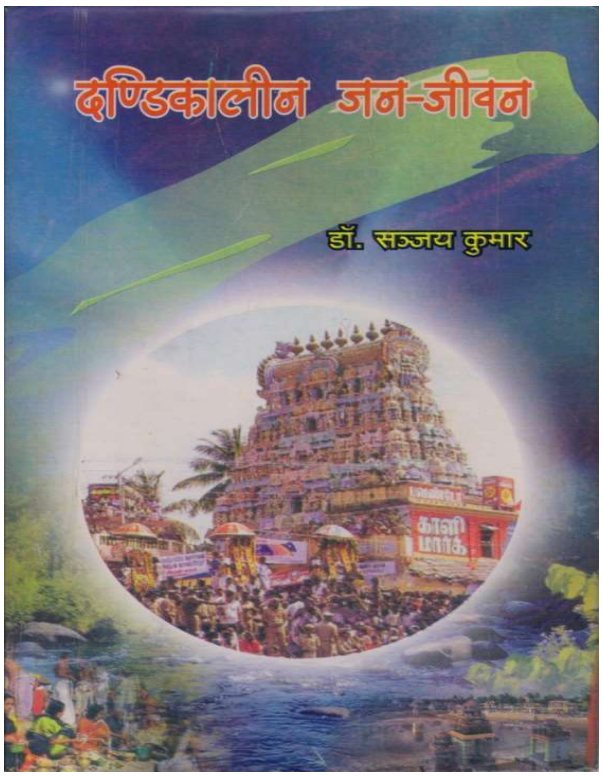
दण्डिकालीन जन-जीवन
डॉ. सञ्जय कुमार

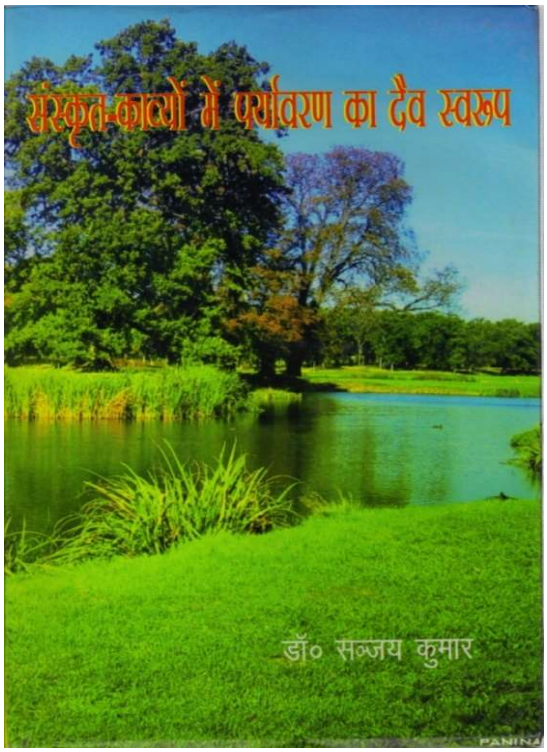
संस्कृत-काव्यों में पर्यावरण का दैव स्वरूप
डॉ० सञ्जय कुमार

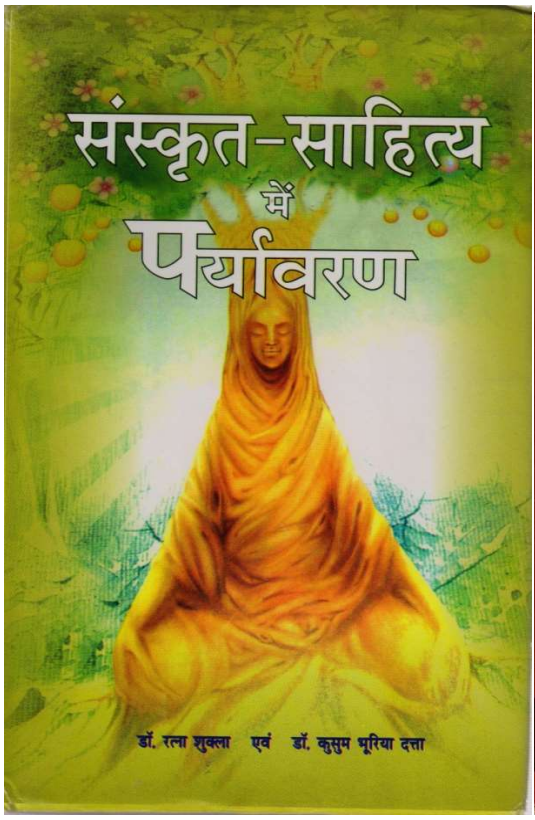
संस्कृत-साहित्य
में
पर्यावरण
डॉ. रत्ना शुक्ला एवं डॉ. कुसुम भूरिया दत्ता

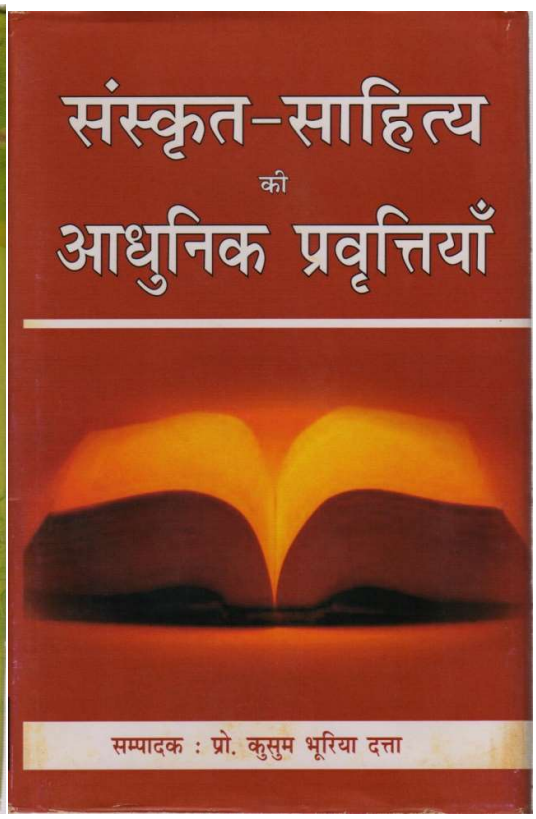
संस्कृत-साहित्य
की
आधुनिक प्रवृत्तियाँ
सम्पादक : प्रो. कुसुम भूरिया दत्ता

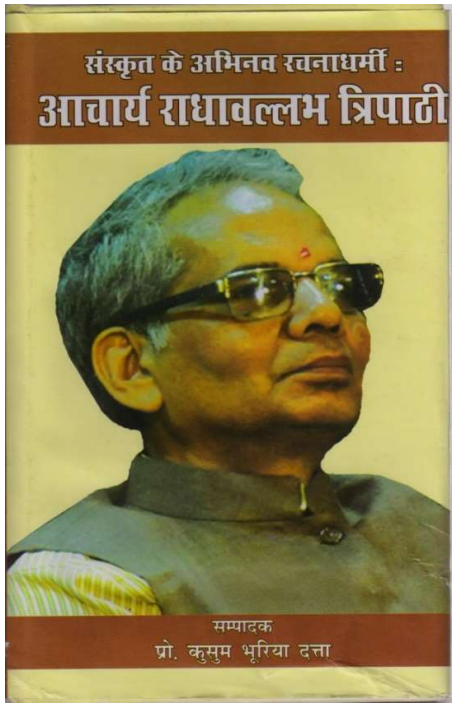
संस्कृत के अभिनव रचनाधर्मी :
आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी
सम्पादक
प्रो. कुसुम भूरिया दत्ता

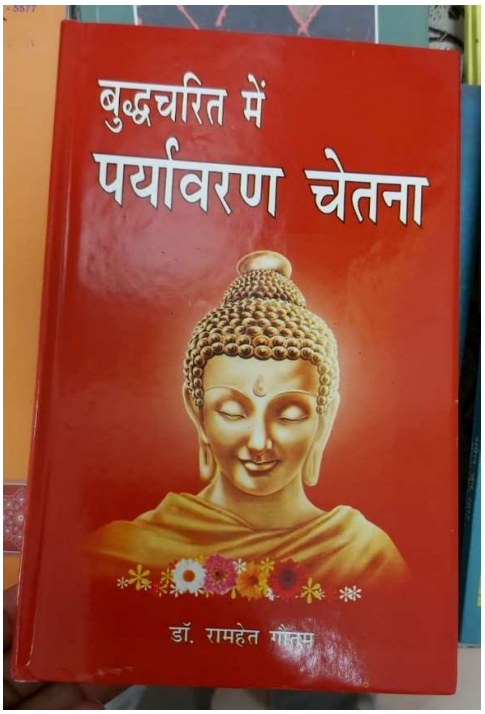
बुद्धचरित में
पर्यावरण चेतना
डॉ. रामहेत गौतम

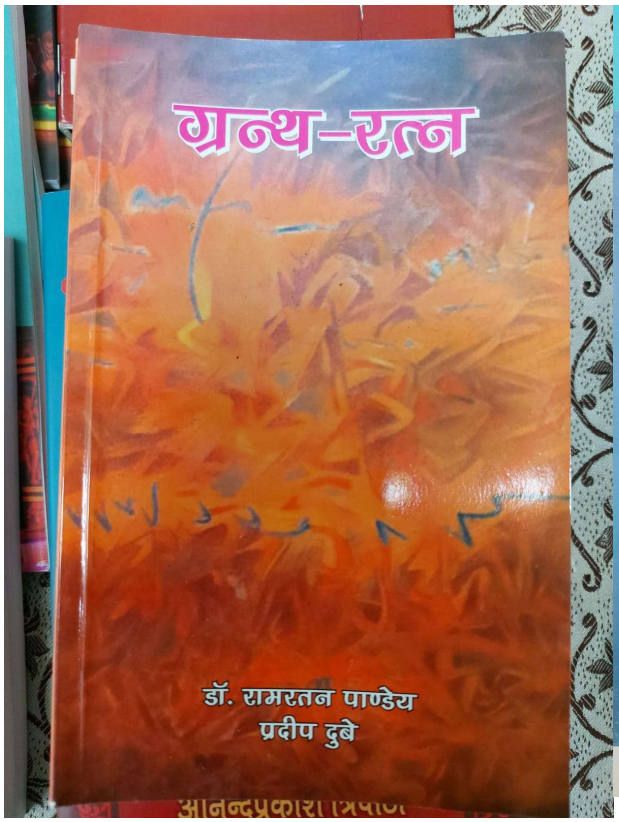
ग्रन्थ-रत्न
डॉ. रामरतन पाण्डेय
प्रदीप दुबे

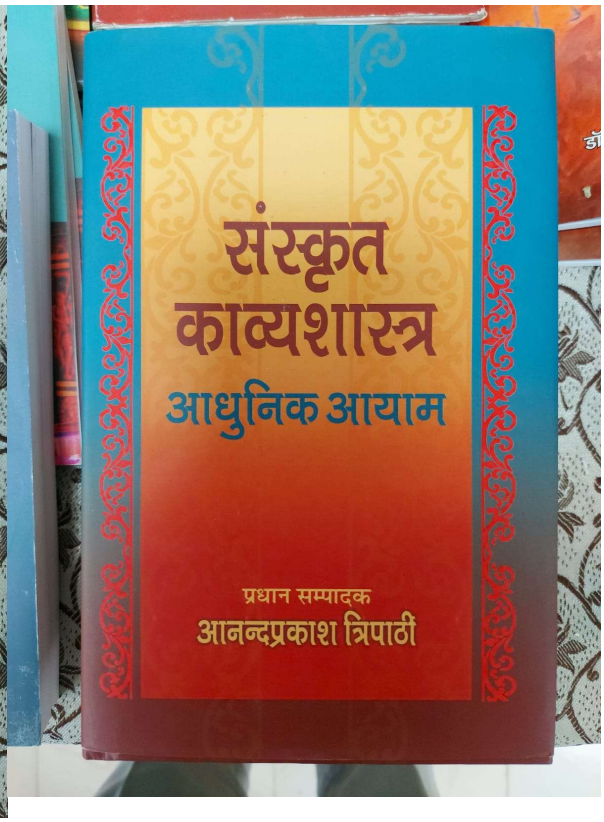
संस्कृत
काव्यशास्त्र
आधुनिक आयाम
प्रधान सम्पादक
आनन्दप्रकाश त्रिपाठी

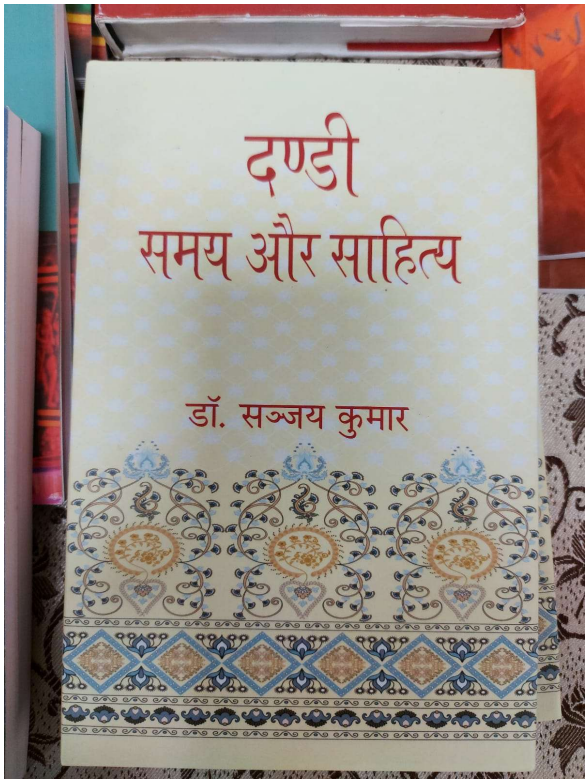
दण्डी
समय और साहित्य
डॉ. सञ्जय कुमार

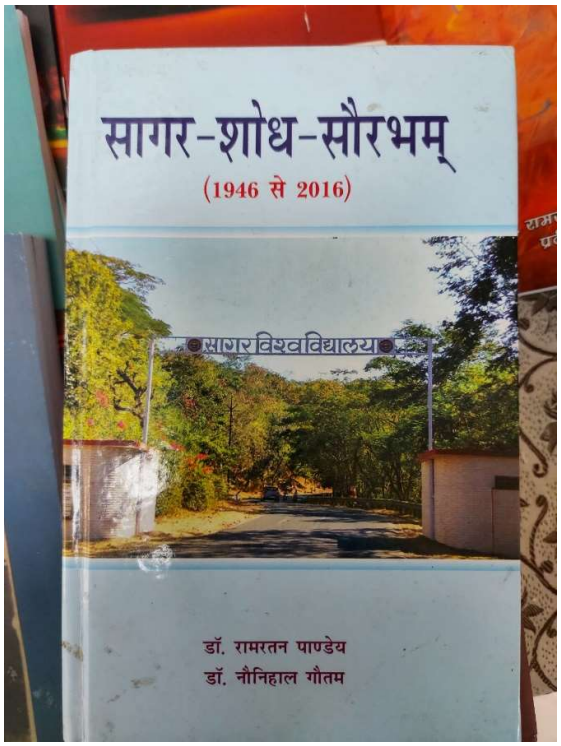
सागर-शोध-सौरभम्
(1946 से 2016)
सागर विश्वविद्यालय
डॉ. रामरतन पाण्डेय
डॉ. नौनिहाल गौतम

रोजगार की संभावनाएं

और

रोजगार की प्राप्ति

Scope and Placement

Scope and Placement

- **संभावनाएँ** - संस्कृत विषय के साथ पढ़ने वाले छात्रों के लिए बहुत सारे अवसर हैं। यूजी, पीजी और पीएचडी वाले छात्र संस्कृत में डिग्री विभिन्न नौकरियों के लिए उपयुक्त हैं। जैसे संस्कृत समाचार वाचक, अनुवादक, संपादक, सेना में जेसीओ (धर्म गुरु), शिक्षाविद, राजनेता आदि। छात्र संस्कृत के साथ पीएससी, आईएएस आदि परीक्षाओं में भी भाग ले सकते हैं। अधिकांश पास आउट स्कूल शिक्षा या उच्च शिक्षा यानी भारत में कॉलेजों, संस्थानों और विभिन्न विश्वविद्यालयों में नियमित शिक्षकों के रूप में काम कर रहे हैं।
- **रोजगार प्राप्ति -**

1. डॉ. लाखन सिंह शाक्य, सहायक प्रोफेसर, उच्चशिक्षा म.प्र.।
2. डॉ. डी.पी. अहिरवार, सहायक प्रोफेसर, उच्चशिक्षा म.प्र.।
3. डॉ. अंजना पाठक, शिक्षक म.प्र. शिक्षा बोर्ड
4. श्री बलभद्र ब्राह्मण, शिक्षक म.प्र. शिक्षा बोर्ड
5. श्री अजय जैन, शिक्षक म.प्र. शिक्षा बोर्ड
6. श्री मोहित जैन, शिक्षक म.प्र. शिक्षा बोर्ड
7. डॉ. अनुराधा पटराय, म.प्र. में शिक्षिका। शिक्षा बोर्ड
8. श्री मनीष दुबे, प्लाटून कमांडर, 10वीं बटालियन, सागर (म.प्र.)
9. डॉ. (श्रीमती) सविता राय, सब-इंस्पेक्टर, एम.पी. पुलिस
10. सुनील अहिरवार (पुलिस कांस्टेबल)
11. कुमारी निकिता यादव, सहायक प्राध्यापक म.प्र. उच्च शिक्षा।
12. डॉ. नीरज शुक्ला, उ.प्र. टी.जी.टी.
13. डॉ. शिवपूजन, उ.प्र. टी.जी.टी.
14. डॉ. सत्य प्रकाश, उ.प्र. टी.जी.टी.
15. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक,

16. डॉ. प्रदीप दुबे, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
17. श्री रामप्रकाश, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
18. श्री दुर्गेश, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
19. श्री सूर्यकान्त, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
20. डॉ. मोहन लाल, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
21. श्री सत्येन्द्र दीक्षित, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
22. श्री जितेन्द्र मोहन कटारे, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक
23. कुमारी शिल्पी, म. प्र. उच्चतर माध्यमिक शिक्षक

पुरस्कार

- डॉ. सञ्जय कुमार विविध पुरस्कार 2019 'अग्निपुराण का नाट्य दर्शन'
- डॉ. सञ्जय कुमार विविध पुरस्कार 2020 'दण्डी समय एवं साहित्य'